पहला अध्याय

पुस्तक का अध्ययन कैसे करें

क्या आप यह जानना चाहते हैं कि बाइबल आपकी सहायता कैसे कर सकती है ? यह क्यों और किस लिये लिखी गयी ? या हम कैसे सिद्ध कर सकते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है ? यदि आपकी रुचि इसमें है, तो यह पुस्तक आपके लिये विशेष रूप से सहायक होगी ।

"आपकी बाइबल" में नवीन तकनीकों पर आधारित कार्य-क्रमिक अध्ययन का प्रयोग किया गया है जो कि शिक्षण के रूप में प्रभावशाली रहा है ।

नोटः—बाइबल पद ढूंढ़ते समय यह समझें कि अध्याय की संख्या पहले इस के बाद पद की । उदाहरण : यूहन्ना ३:१६ का अर्थ यह है यूहन्ना नाम पुस्तक, तीसरी अध्याय और सोलहवाँ पद । पृष्ठ ९६ को देखिए ।

आप इस पुस्तक को अन्य पुस्तकों की तरह न पढ़े। आपको ऊपर से पढ़ना शुरू करके पृष्ठ के नीचे तक जाने की जरूरत नहीं है। तीन खण्डों में बांटे पृष्ठ के ऊपरी खण्ड या सूचना स्थल ही को पढ़े और अगले पृष्ठ पर चले जाएं। और इस तरह से पुस्तक के सभी ऊपरी खण्डों को पढ़ डालें। अब अगले पृष्ठ पर जाएं।

उत्तर ५७

(ख) निर्गमन

व्यवस्था की पुस्तकें

इब्रानी याजक लेवीयों के गोत्र के थे। लैव्यव्यवस्था की पुस्तक इनके कार्यों तथा बलिदानों के विषय में निर्देश देती है जो उन्हें परमेश्वर के सम्मुख चढ़ाने होते थे। अगले पृष्ठ पर जाएं।

उत्तर ११८

१ तीमुथियुस

२ तीमुथियुस

तीतुस

फिलेमोन

पौलुस प्रेरित के पत्र

इब्रानियों का मुख्य शब्द 'उत्तम'' है। यह इब्रानी मसीहियों को इस उद्देश्य से लिखा गया कि वे जाने कि सुसमाचार की नई वाचा व्यवस्था से श्रेष्ठ है।

जब आप पूरी पुस्तक के ऊपरी खण्डों को पढ़ लें, तो पुस्तक को फिर से पढ़ना शुरू कर बीच के सभी खण्डों को पढ़ें। और फिर पुस्तक को अन्तिम बार शुरू से पढ़ना प्रारम्भ कर नीचे के सभी खण्ड पढ़ डालें। अगले पृष्ठ पर जाएं।

उपरी भाग
मध्य-भाग
निम्न भाग

प्रश्न ५८

कौनसी पुस्तक याजकों तथा बलिदानों के विषय निर्देश देती है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११६

समाचार में मसीह और उसकी नई वाचा की व्यवस्था की पुरानी वाचा से श्रेष्ठ होने की चर्चा किस पुस्तक में है ?

(क) रोमियो
(ख) १ कुरिंथियो
(ग) इब्रानियों
(घ) १ तीमुथियुस
(ङ) फिलेमोन
(च) तितुस

अध्ययन करने का यह एक नया और मनोरंजक तरीका है । अब अगले खाने में जाएं ।

सूचना स्थल

यह पुस्तक आपकी शिक्षक है । इस स्थल या खांचें में आपको कुछ सूचनाएं मिलेंगी । उन्हें पढ़ कर आप अगले पृष्ठ पर जाएं ।

उत्तर ५८

(ग) लैव्यव्यवस्था

व्यवस्था की पुस्तकें

पुस्तक का नाम 'गिनती' कहलाने का कारण यह है कि इसमें इब्रानियों की दो बार की गई जनगणना का उल्लेख है। किसी राष्ट्र के संगठन हेतु यह महत्वपूर्ण कार्य है ।

उत्तर ११६

(ग) इब्रानियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

इब्रानियों की पुस्तक बताती है कि व्यवस्था के अन्तर्गत जितने भी सांकेतिक संस्कार तथा बलिदानों की चर्चा है वह सब प्रभु यीशु के हमारे पापों के लिये बलिदान तथा हमारे महायाजक होने के प्रति संकेत करती है ।

प्रश्न या कार्यस्थल

यहां पर आपको आपके द्वारा पढ़ी गई सूचनाओं पर आधारित प्रश्न मिलेंगें या आपको यह बताया जाएगा कि आप किस तरह से इन बातों को ठीक तरह समझ सकते हैं या इन्हें याद रख सकते हैं। आप अपने उत्तरों को लिख दें या दिया गया कार्य पूरा करलें और फिर अगले पृष्ठ पर जाएं।

प्रश्न ५९

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

बाइबल की पहली ५ पुस्तकें ये हैं :

उ.................. गि....................

नि.................. व्यवस्थाविवरण

लै..................

प्रश्न संख्या १२०

चारों सुसमाचार, कलीसियाओं के लिखे गये नौ पौलूस प्रेरित के पत्र, चार व्यक्तिगत पत्र, तथा इब्रानी मसीहयों को लिखी गई पुस्तक——सभी के नाम क्रमानुसार लिख कर पुस्तकों की सूची से मिला दें।

उत्तर स्थल

यहाँ पर दिये गये सही उत्तरों की मदद से आप को अपने उत्तरों के सही अथवा गलत होने के विषय तुरन्त पता चल जायगा ।

सूचना

आपको अनेकों सम्भावित उत्तरों में से एक सही उत्तर का चयन करना होगा या वाक्य पूरा करने के लिये सही शब्दों का चयन करना होगा ।

उत्तर ५६

उत्पत्ति
निर्गमन
लैव्यव्यवस्था
गिनती

व्यवस्था की पुस्तकें

अपनी मृत्यु से कुछ पहले, मूसा ने अपना अन्तिम वक्तव्य दिया जिसमें परमेश्वर की व्यवस्था की परिचर्चा थी । यह सब व्यवस्था विवरण में लिखी है जिसका अर्थ है "दूसरी व्यवस्था" ।

सामान्य पत्र

पौलुस प्रेरित के पत्र उन लोगों के नामों पर हैं जिन्हें वे लिखे गए थे, परन्तु सामान्य पत्रों के नाम उनके लेखकों के नामों पर हैं ।

प्रश्न १

जब वाक्य को पूरा करने के लिये अनेकों सम्भावित उत्तर या तरीके दिये हों, तो आप क्या करें ?

(क) सब को सही मान लें ।

(ख) प्रश्न का सही उत्तर चुनें , या वाक्य को पूरा करने के लिये सही शब्द का प्रयोग करें ।

प्रश्न ६०

व्यवस्था की ५ पुस्तकों के नाम लिखें उस पुस्तक को रेखांकित कर दें जिसका अभिप्रायं "दूसरी व्यवस्था" से है । अपनी सूची की जांच उत्तर से कर लें। यदि कोई त्रुटि हो तो उसका भी सुधार कर लें।

कार्य तथा प्रश्न १२१

इन पत्रों को अपनी बाइबल में तलाश करें : याकूब १; १ तथा २ पतरस; १, २, तथा ३ यूहन्ना; यहूदा । इन पत्रों के नाम दिये हैं ।

(क) उन लोगों के नामों पर जिनको वे लिखे गये ।

(ख) उन लोगों के नामों पर जिन्होंने इन को लिखा ।

उत्तर १

(ख) प्रश्न का सही उत्तर चुनें या वाक्य को पूरा करने के लिये सही शब्द का प्रयोग करें ।

सूचना

पूछे गये प्रश्न, सूचना स्थल पर दी गई सूचनाओं पर आधारित हैं । यदि आपको उत्तर का ज्ञान न हो, तो सूचना को फिर से पढ़ें और फिर उत्तर जानने की कोशिश करें ।

उत्तर ६०

उत्पत्ति
निर्गमन
लैव्यव्यवस्था
गिनती
व्यवस्थाविवरण

व्यवस्था की पुस्तकें

व्यवस्था के अलावा, पहली पांच पुस्तकें परमेश्वर के लोगों के २,५०० वर्षों के महत्त्वपूर्ण इतिहास का उल्लेख करती हैं ।

उत्तर १२१

उन लोगों के नामों पर जिन्होंने इनको लिखा ।

सामान्य पत्र

याकूब यरूशलेम में किसी कलीसिया का पास्टर था । संभवत: प्रभु यीशु का भाई । याकूब जो यहून्ना का भाई था उसका पहले ही सिर काट दिया गया था ।

प्रश्न २

जब आप प्रश्न का उत्तर न दे सकें, तो आपको क्या करना चाहिये ?

(क) सही उत्तर देख लें ।

(ख) अपने विचारों को लिख दें ।

(ग) सूचना-स्थल को फिर पढ़ें, और फिर कोशिश करें ।

(घ) अनुमान लगाएं या फिर छोड़ दें ।

कार्य ६१

बाइबल से मूसा की ५ पुस्तकों को ढूढ़ने का अभ्यास करें । एक पुस्तक निकालने के बाद बाइबल को बन्द कर पुनः दूसरी पुस्तक निकालें । इतना अभ्यास कर लें कि पुस्तकें निकालने में देरी न लगे ।

कार्य तथा प्रश्न १२२

सामान्य पत्रों के लेखकों में दो भाई भी हैं । मत्ती १३:५५ तथा यहूदा का पहला पद पढ़ें । वे दो भाई कौन थे ?

(क) पतरस तथा यूहन्ना

(ख) याकूब तथा यूहन्ना

(ग) याकूब तथा यहूदा

उत्तर २

(ग) सूचना स्थल को फिर पढ़ें, और फिर कोशिश करें ।

सूचना

किसी नोटबुक में प्रश्न का नम्बर लिख लें और साथ-साथ दिये गये उत्तर का अक्षर। प्रश्न नम्बर २ के लिये आपने २ (ग) उत्तर लिखा होगा ।

ऐतिहासिक पुस्तकें

बारह ऐतिहासिक पुस्तकों के नाम निम्न है: यहोशू, न्यायियों, रूत, १ तथा २ शमूएल, १ तथा २ राजा, १ तथा २ इतिहास, एज्रा; नहेम्याह, एस्तेर ।

उत्तर १२२

(ग) याकूब और यहूदा ।

सामान्य पत्र

याकूब ने शिक्षा दी है कि प्रभु यीशु में जीवित विश्वास रखने से लोग भला कार्य करते है । हमारे भले कार्य यद्यपि हमें नहीं बचाते, परन्तु यदि हमने उद्धार पाया हैं तो हम परमेश्वर तथा उस के लोगों के लिये जो कर सकते हैं करेंगे ।

प्रश्न ३

आपको प्रश्न का उत्तर चुनते समय अपनी नोट बुक में क्या लिखना चाहिये ?

(क) पूरा वाक्य।

(ख) प्रश्न का नम्बर तथा दिये गये उत्तर का अच्क्षर जो आपके मतानुसार ठीक हो ।

(ग) इस विषय में अपने विचार ।

कार्य ६२

ऐतिहासिक पुस्तकों की सूचि उतार लें। कोई कागज़ का टुकड़ा अपनी बाइबल में व्यवस्थाविवरण तथा यहोशू के बीच रख दें और एक अन्य टुकड़ा एस्तेर और अय्यूब के बीच रख दें । फिर इन ऐतिहासिक पुस्तकों को निकालने का अभ्यास करें, जैसा कि आप व्यवस्था की पुस्तकों के लिये पहले कर चुके हैं।

कार्य तथा प्रश्न १२३

याकूब १:२२; २ :२० निकाल कर पढ़ें । याकूब यहां पर सिखाता है कि :

(क) हम विश्वास से नहीं बल्कि कार्यों द्वारा उद्धार पाते हैं ।

(ख) जीवित विश्वास द्वारा भले कार्य होते हैं ।

ग) हम किस तरह का जीवन व्यतीत करते है, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता ।

(घ) बिना कार्य के विश्वास उचित है ।

उत्तर ३

(ख) प्रश्न का नम्बर तथा दिये गये उत्तर का अक्षर, जो आपके मतानुसार ठीक हो ।

सूचना

अपना उत्तर लिखने के बाद, पृष्ठ उलट कर उत्तर की जांच करलें। गलत होने पर का चिन्ह बना दें ताकि पुनरिक्षण करने पर आप को अपनी गलती का अनुमान हो जाए ।

ऐतिहासिक पुस्तकें

यहोशू मूसा के बाद आने वाला अगुवा था। उसने कनान को विजय किया और वह पहला न्यायी था। यहोशू की पुस्तक में विजय किये जाने की चर्चा है ।

उत्तर १२३

(ख) जीवित विश्वास द्वारा भले कार्य होते हैं ।

सामान्य पत्र

पतरस के पत्र, पीड़ा उठा रहे मसीहियों में प्रेरणा पैदा करने वाले हैं तथा यह याद दिलाने वाले हैं कि प्रभु यीशु एक दिन वापिस आकर उनको उनके विश्वास का फल देगा ।

प्रश्न ४

प्रश्न का नम्बर तथा उत्तर का अक्षर लिखने के बाद, आपको यह करना चाहिए।

(क) यह सोच लें कि आपने ठीक ही उत्तर दिया होगा।

(ख) सही उत्तर पढ़े और अपने उत्तर से मिलाएं। गलती होने पर × चिन्ह लगा दें।

प्रश्न ६३

निम्न पुस्तकों में कौन सी पुस्तक कनान के विजेता का नाम रखती है ?

(क) एज्रा	(घ) शमूएल	(छ) यहोशू
(ख) न्यायियों	(ङ) राजा	(ज) नहेम्याह
(ग) रूत	(च) इतिहास	(झ) एस्तेर

प्रश्न १२४

सात सामान्य पत्र निम्न है :

या·······························

१ तथा २··························

१, २ तथा ३, यूहन्ना················

यहूदा

उत्तर ४

(ख) सही उत्तर पढ़ें, और अपने उत्तर से मिलाएं। गलती होने पर चिन्ह × लगा दें।

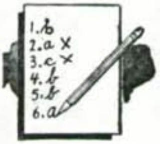

यह विधि सरल है। विद्यार्थी इससे रुचि लेते हैं और अन्य विधियों की तुलना में जल्दी सीखते हैं।

उत्तर ६३

(छ) यहोशू

ऐतिहासिक पुस्तकें

न्यायियों में कनान देश के ४०० वर्ष की विजय और पराजय की चर्चा है। पराजय जबकि लोग परमेश्वर को भूल गये। विजय जब भी वे पश्चाताप करते थे और परमेश्वर न्यायियों को उनके छुटकारे के रूप में खड़ा करता था।

उत्तर १२४

याकूब, १ तथा २ पतरस

सामान्य पत्र

यूहन्ना, जो १२ प्रिय शिष्य में से एक था उन सब से अधिक समय तक जीवित रहा और उसने बाइबल की पांच पुस्तकें लिखीं : अपना सुसमाचार, तीन पत्र, तथा प्रकाशितवाक्य।

प्रश्न ५

कार्य-क्रमिक अध्ययन का यह नया तरीका

(क) एक तरह का खेल है, और विद्यार्थी ज्यादा सीख नहीं पाता ।

(ख) यह खेल ही की तरह रुचिकर है और विद्यार्थी किसी अन्य तरीके की तुलना में जल्दी सीखता है ।

(ग) बहुत कठिन और मन को उचाटने वाला है ।

प्रश्न ६४

दूसरी ऐतिहासिक पुस्तक बताती है :

(क) मनुष्य के इतिहास के पहले २,५०० वर्ष ।

(ख) मिस्र के राजा की हुकूमत में ४०० वर्ष ।

(ग) कनान में न्यायियों की हुकूमत में ४०० वर्ष ।

(घ) रोमी शासकों की हुकूमत के विषय ।

प्रश्न १२५

यूहन्ना के तीन पत्रों का लेखक

(क) यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था ।

(ख) जोन वेसली था ।

(ग) प्रिय शिष्य यूहन्ना था ।

(घ) पोप जॉन XXIII था ।

(ढ़) जॉन बनयन था ।

उत्तर ५

(ख) खेल की तरह रुचिकर है और विद्यार्थी किसी अन्य तरीके की तुलना में जल्दी सीखता है ।

सूचना

जब आप इस अध्ययन विधि के आदी हो जाएंगे तो आपको पाठ सरल लगेंगे । यदि यह आपको अभी भी कठिन लगता है, तो अपने किसी मित्र की मदद लें । परमेश्वर से भी सहायता का अनुरोध करें ।

(ग) कनान में न्यायियों की हुकूमत के ४०० वर्ष ।

ऐतिहासिक पुस्तकें

रूत की पुस्तक न्यायियों के समय की एक सुन्दर मोआबी स्त्री की चर्चा करती है । आगे चलकर यही स्त्री दाऊद राजा की पर-दादी और प्रभु यीशु के घराने की पूर्वज बनी ।

उत्तर १२५

(ग) प्रिय शिष्य यूहन्ना था ।

सामान्य पत्र

प्रिय शिष्य यूहन्ना के तीनों पत्रों का सार मसीही प्रेम है । परमेश्वर का हमारे अन्दर पाये जाने वाला प्रेम हमें बाध्य करता है कि हम एक दूसरे से प्रेम करें

कार्य ६

यदि आप उत्तर देने में ३ उत्तरों से अधिक में असमर्थ रहे हों, तो अगले पाठ पर जाने से पहले इस अध्याय को फिर से समझें। अग्रिम पाठों में सभी प्रश्नों का उत्तर दें और सभी कार्यों को पूरा करें। अब पृष्ठ १३१ पर दिये अपने छात्र विवरण के पहले भाग को भर दें।

प्रश्न ६५

दाऊद की पर-दादी के परिवर्तन तथा उनके प्रेम की कथा की चर्चा निम्न पुस्तकों में से किस में पाई जाती है :

(क) एज्रा

(ख) एस्तेर

(ग) नहेम्याह

(घ) १शमूएल

(ङ) न्यायियों

(च) रूत

प्रश्न १२६

लेखक का नाम उसके द्वारा लिखे गए पत्र के सार के आधार पर लिखे:

.... विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया जाना।

.... विश्वास भले कार्यों को पैदा करता है।

.... पीड़ा उठाने वाले मसीहियों को प्रेरणा देने वाला

.... मसीही प्रेम।